(ग) मेसर्स पंजाब डिवाइसिज रंगीन दूरदर्शन ट्यूबों के उत्पादन की तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के लिए जापान की एक विख्यात कंपनी के साथ बातचीत कर रही है । नवम्बर, 1982 में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों से पूर्व उत्पादन शुरू होने की संभावना नहीं है ।

Empty order books of Bharat Heavy Electricals

2764. SHRI BALKRISHNA WASNIK: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether order books of Bharat Heavy Electricals Limited are empty and the company is facing a bleak future;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken by Government to improve the situation?

THE MINISTER OF INDUSTRY AND STEEL AND MINES (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): (a) to (c). BHEL has got adequate orders for thermal and hydro power generating equipment upto the year 1983-84. The order book position for 1984-85 shows a minor gap, and a bigger gap for subsequent years. BHEL shops could be more fully loaded with the clearance of more projects by the Central Electricity Authority/Planning Commission and through placing of orders on BHEL Efforts are being made in this direction.

It has also been decided that maximum utilisation of BHEL's capacity should be resorted to.

कापियों के निर्माताओं की अग्रिम जमा धनराशि वापस करना

2765. श्री निहाल सिंह : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान प्रत्येक कापी निर्माता की अग्रिम जमा धनराशि में से कितनी धनराशि वापस की गई और उन मिलों के नाम क्या हैं जिन्हें अभी भी अग्रिम धनराशि का भुगतान करना है और वह धनराशि किस अवधि से सम्बन्धित है ;

(ख) क्या जैसे ही सस्ते कागज के मूल्य बढ़ते हैं सभी कागज मिलें कापी निर्माताओं को अग्रिम जमा धनराशि चेक द्वारा वापस कर देती हैं जबकि उन मिलों द्वारा अग्रिम जमा धनराशि के बैंक ड्राफ्ट ही स्वीकार किए जाते हैं और यदि हां, तो इन अनियमितताओं को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) उन कागज मिलों का ब्यौरा क्या है जिन्होंने पिछले डेढ़ वर्ष तक उक्त निर्माताओं की अग्रिम जमा धन राशि रखी हुई है और निर्माताओं को कागज की आपूर्ति नहीं की है और सरकार द्वारा इन कागज मिलों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ;

उद्योग तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) से (ग) : कापी बनाने के लिये छपाई के सफेद कागज का आबंटन राज्य स्तरीय समितियों द्वारा किया जाता है एवं आबंटी मिलों को आदेश (आर्डर) दे देते हैं तथा सीधे कागज प्राप्त करते हैं । आबंटियों द्वारा मिलों को आर्डर देने का स्वरूप गैर सरकारी पार्टियों के बीच वाणिज्यिक

लेन देन जैसा होता है । इसीलिये सरकार को भुगतान के तरीकों और ब्याज प्रभार, विभिन्न मिलों के पास अग्रिम जमा की राशियों, जमा राशियों को वापस करने के तरीकों और उन मिलों के ब्यौरे जिन्होंने अग्रिम जमा राशियां रखी हुई है, के ब्योरों के बारे में जानकारी नहीं है ।

Unutilised funds of Bihar Government

2766. SHRI KUNWAR RAM: Will the Minister of PLANNING be pleased to state the head-wise money that remained unutilised by the Government of Bihar in the year 1981-82;

THE MINISTER OF PLANNING (SHRI S. B. CHAVAN): The Plan expenditure during 1981-82 as reported by the State Government is the same as the approved outlay of Rs. 560 crores and thus, there was no unutilized balance during the year.

"पासिब्लीटी आफ डायमंड डिपोजिट्स इन झालावाढ़" शीर्षक समाचार

2767. **श्री चतुर्भुज :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के साधनों के माध्यम से 28 सितम्बर, 1982 के "राष्ट्रदूत" में "पासिब्लीटी आफ डायमंड डिपोजिट्स इन झालावाढ़" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो सर्वेक्षण कब तक किया जायेगा और खनन कार्य कब तक आरम्भ किया जायेगा और इस सम्बन्ध में पूर्ण ब्यौरा क्या है ?

उद्योग तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री नारायण दत्त तिवारी) : (क) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम ने झालावाढ़ में हीरों के निक्षेपों के बारे में कोई अन्वेषण नहीं किया है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

Import of obsolete Pulp and Paper Machinery

2768. SHRI RAJNATH SONKAR SHASTRI:
SHRI JAGPAL SINGH:
SHRI RASHEED MASOOD:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that certain reputed firms are importing sizeable number of obsolete and second hand pulp and paper machinery despite the ban on setting up plants and that Government are revalidating even the old licences which had expired long back;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the likely impact on the paper industry in the country?

THE MINISTER OF INDUSTRY AND STEEL AND MINES (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): (a) to (c). Import of second hand paper and pulp machinery came to be allowed during the period 1975—81 with a view primarily to encourage use of secondary raw material for manufacture of paper and also to lesson the shortage of paper in the country. Imports were actually considered and approved having regard to the conditions of these machines and also their assured period of residual life. As a result of this policy, the number of mills increased from 63 in 1974 to 136 in 1981. Major portion of the increase in capacity of the paper industry during this period was on account of small paper mills. It was decided to stop general imports of second hand paper machinery since March, 1981. Revalidation of old import licenses is, however, considered on merits.